LIFELOVEME शिक्षण शृंखला

संस्कृत शिक्षण सहायक

स्तर 0–3 के लिए जीवंत संदर्भ • हिंदी v0.2

रामः • फलम् • खादति

सीखने का वचन

पहले उदाहरण। फिर ढाँचा। पारिभाषिक नाम तभी, जब वह समझ बढ़ाए।

सुधीर के. अग्रवाल, पीएचडी

हिंदी संस्करण • v0.2 • 16 अगस्त 2026

LifeLoveMe: जीवन से जुड़ा सीखना

LifeLoveMe सीखने, चिंतन, स्वास्थ्य, संबंधों, स्मृतियों और व्यावहारिक सहायता का मानव-केंद्रित ढाँचा है। इसमें तकनीक और AI सहायक हैं—वे ज्ञान को व्यक्ति के लक्ष्य के अनुसार व्यवस्थित करते हैं, पर अनुभव, विवेक और आत्म-अन्वेषण का स्थान नहीं लेते।

लेखक के बारे में

सुधीर के. अग्रवाल, पीएचडी, अभियंता, शिक्षक, शोधकर्ता, उद्यमी और लेखक हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचेवान से विद्युत अभियांत्रिकी में पीएचडी की और चार दशकों से अधिक समय तक विद्युत-प्रणाली विश्वसनीयता, प्रायिक विधियों, कंप्यूटर मॉडलिंग और इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर पर कार्य किया है।

उनकी रुचियों में AI, शिक्षा, संस्कृत, भारतीय ज्ञान-परंपरा, अध्यात्म, चेतना, स्वास्थ्य, इतिहास और सामुदायिक अध्ययन सम्मिलित हैं।

संपर्क	विवरण
नाम	Sudhir K Agarwal, PhD
स्थान	San Diego, California, USA
फोन	+1 858 213 7564
ईमेल	info@lifeloveme.com
ढाँचा	LifeLoveMe

1. इस सहायक का उपयोग कैसे करें

यह आरम्भ से अन्त तक रटने वाली व्याकरण-पुस्तक नहीं है। पाठ में उदाहरण देखें, आवश्यकता पर यहाँ संबंधित रूप या नियम खोजें, फिर मूल वाक्य पर लौटें।

रंग	प्राथमिकता	क्या करें
नीला • मूल	अभी आवश्यक	सीखें और प्रयोग करें
हरा • संस्कृत-विशेष	ध्यान से देखें	हिंदी से भिन्न रूप पहचानें
पीला • कभी-कभी	पहचान पर्याप्त	रटना बाद में
लाल • विशेषज्ञ	दुर्लभ/वैदिक	आवश्यक होने पर पढ़ें
धूसर • हिंदी	तुलना	संस्कृत वर्णमाला का भाग नहीं

एकल संदर्भ-स्रोत

वर्णमाला, चिह्न, संधि, विभक्ति, धातु, रूप-सारणियाँ, लकार और शब्दावली इसी सहायक में रखी जाएँ। स्तर-पुस्तकों में इनके प्रयोग के उदाहरण होंगे, पूरी सारणियाँ नहीं।

2. देवनागरी: पहले ध्वनि

स्वर	IAST	मात्रा सहित	संकेत
अ आ	a ā	क का	ह्रस्व / दीर्घ
इ ई	i ī	कि की	मात्रा पहले दिखती, बाद में बोली जाती
उ ऊ	u ū	कु कू	ह्रस्व / दीर्घ
ऋ	ṛ	कृ	“रि” से भिन्न ध्वनि
ए ऐ	e ai	के कै	दीर्घ / संयुक्त स्वर

स्वर	IAST	मात्रा सहित	संकेत
ओ औ	o au	को कौ	दीर्घ / संयुक्त स्वर

वर्ग	अल्पप्राण	महाप्राण	घोष	घोष महाप्राण	अनुनासिक
क-वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
च-वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
ट-वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
त-वर्ग	त	थ	द	ध	न
प-वर्ग	प	फ	ब	भ	म

3. आवश्यक चिह्न

चिह्न	नाम	कार्य	उदाहरण
ं	अनुस्वार	अनुनासिक ध्वनि/वर्गानुसार नासिक्य	संस्कृतम्
ँ	चन्द्रबिन्दु	स्वर का नासिकीकरण	हाँ (हिंदी तुलना)
ः	विसर्ग	पश्च-श्वास; संधि से रूप बदल सकता	रामः
्	हलन्त/विराम	अंतर्निहित अ हटाता है	क्
ऽ	अवग्रह	संधि में लुप्त अ का संकेत	रामोऽस्ति
। / ॥	दण्ड	वाक्य/श्लोक सीमा	श्लोकान्त ॥

4. छोटी संधि-सारणी

अलग रूप	संयुक्त रूप	परिवर्तन	अर्थ
रामः + अस्ति	रामोऽस्ति	विसर्ग संधि	राम है
न + एनम्	नैनम्	अ + ए → ऐ	इसे नहीं
तत् + च	तच्च	व्यंजन-संधि	वह और
सत् + जनः	सज्जनः	व्यंजन परिवर्तन	सज्जन
देव + इन्द्रः	देवेन्द्रः	अ + इ → ए	देवों का इन्द्र

विधि

पहले दो अर्थपूर्ण भाग पुनः प्राप्त करें। नियम का तकनीकी नाम बाद में जोड़ें।

5. विभक्ति: रूप से संबंध तक

विभक्ति	सरल प्रश्न	प्रायः संकेत
प्रथमा	कौन/क्या प्रस्तुत है?	कर्ता; कर्मवाच्य में प्रभावित वस्तु
द्वितीया	किसे/क्या? कहाँ तक?	कर्म या लक्ष्य
तृतीया	किससे/किसके द्वारा?	करण; कर्मवाच्य कर्ता
चतुर्थी	किसके लिए/किसको?	सम्प्रदान
पञ्चमी	कहाँ से/किस कारण?	स्रोत, अलगाव, कारण
षष्ठी	किसका?	संबंध/अधिकार
सप्तमी	कहाँ/किसमें?	स्थान/विषय
सम्बोधन	हे ...!	जिसे पुकारा जाए

6. चुनी हुई धातुएँ

धातु	वर्तमान	अर्थ	उदाहरण
अस्	अस्ति	होना	रामः अस्ति।
भू	भवति	होना/बनना	सः गुरुर्भवति।
गम्	गच्छति	जाना	बालकः ग्रामं गच्छति।
दृश्	पश्यति	देखना	रामः फलम् पश्यति।
खाद्	खादति	खाना	बालकः फलम् खादति।
पा	पिबति	पीना	सः जलं पिबति।
पठ्	पठति	पढ़ना	छात्रः पुस्तकं पठति।
कृ	करोति	करना	सः कार्यं करोति।
दा	ददाति	देना	रामः सीतायै पुष्पं ददाति।
वद्	वदति	कहना	गुरुः वदति।

7. क्रिया का 3×3 आरम्भिक ढाँचा

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
अन्य/प्रथम	पश्यति	पश्यतः	पश्यन्ति
तुम/मध्यम	पश्यसि	पश्यथः	पश्यथ
मैं/उत्तम	पश्यामि	पश्यावः	पश्यामः

क्रम का अंतर

पारंपरिक संस्कृत में “प्रथम पुरुष” वह है जिसके बारे में कहा जाता है; “उत्तम पुरुष” वक्ता है। अंग्रेज़ी की person-numbering से इसे न मिलाएँ।

8. तीन संज्ञा-ढाँचे

प्रकार	एक	दो	दो से अधिक
राम • पुंलिंग	रामः	रामौ	रामाः
लता • स्त्रीलिंग	लता	लते	लताः
फल • नपुंसकलिंग	फलम्	फले	फलानि

9. पाँच आरम्भिक लकार

अर्थ	उदाहरण	सरल अनुवाद
वर्तमान	गच्छति	जाता है
भूत	अगच्छत्	गया
भविष्यत्	गमिष्यति	जाएगा
आज्ञा	गच्छतु	जाए / जाने दो
संभावना/सलाह	गच्छेत्	जाना चाहिए / जा सकता है

10. वाक्य-पठन के मुख्य नियम

- पहले पूरा वाक्य पढ़ें; तुरन्त शब्द-शब्द अनुवाद न करें।
- विधेय/मुख्य क्रिया खोजें; वह क्रिया, कृदन्त, संज्ञा या अध्याहृत अस्ति हो सकती है।
- प्रत्येक पद के संभावित रूप पहचानें; एक संकेत पर निर्णय न करें।
- क्रिया की आकांक्षा/valency से आवश्यक सहभागी खोजें।
- विभक्ति और कारक को एक ही वस्तु न मानें।
- अन्वय, अर्थ और प्रसंग से शेष विकल्पों को क्रम दें।
- एकाधिक पाठ सम्भव हों तो विकल्प और विश्वास-स्तर लिखें।

11. आवश्यक शब्दावली

शब्द	सरल अर्थ	उदाहरण
वर्ण	ध्वनि या लिखित चिह्न	क् + अ → क
धातु	क्रिया-परिवार का मूल	खाद् → खादति
प्रातिपदिक	विभक्ति से पहले संज्ञा-आधार	राम- → रामः
प्रत्यय	आधार से जुड़ने वाला व्याकरणिक अंश	पश्य + ति
पद	वाक्य में प्रयुक्त रूप	रामः, पश्यति
वचन	एक, दो, अनेक	रामः, रामौ, रामाः
विभक्ति	संज्ञा-रूप की श्रेणी	रामेण तृतीया
कारक	क्रिया से अर्थ-संबंध	कर्ता, कर्म, करण
लकार	काल/भाव का क्रिया-तंत्र	लट्, लङ्, लोट्
अन्वय	रूपों/पदों का संबंध	रामाः पश्यन्ति
संधि	मिलती ध्वनियों का परिवर्तन	रामोऽस्ति
समास	अर्थपूर्ण पदों का संक्षेप	राजपुत्रः

स्मरण-वाक्य

उदाहरण देखें। परिवर्तन पहचानें। नाम तभी सीखें जब वह सहायक हो। नए वाक्य पर जाँचें। प्रमाण निर्णय न करे तो विकल्प बचाए रखें।